आंग्ल मैसूर संघर्ष

युद्ध	समय	मैसूर	अंग्रेज	परिणाम	कारण	महत्वपूर्ण बिन्दु
प्रथम	1767 - 69	हैदर अली	जनरल स्मिथ	हैदर विजयी - मद्रास की संधि - 4 अप्रैल 1769	1. हैदर का फ्रांसीसी झुकाव 2. हैदर द्वारा कन्नड़ तट पर ब्रिटिश नौसेना पर हमला - 1767	
द्वितीय	1780 - 84	हैदर + टीपू + फ्रांसीसी कमांडर सफ्रे	वॉरेन हेस्टिंग्स	मंगलोर की संधि - 11 मार्च 1784 - मद्रास गवर्नर मैकार्टनी और टीपू	1. मद्रास संधि का उल्लंघन 2. अमेरिकी क्रांति 3. अंग्रेजों ने माहे बंदरगाह पर हमला किया, माहे हैदर के क्षेत्र में	1. हैदर अली ने मुनरो तथा बेली को हराकर आर्काट (कर्नाटक) पर अधिकार 2. पोर्टोनोवा का युद्ध (1 जुलाई 1781) - हैदर अली व आयर कूट
तृतीय	1790 - 92	टीपू	कार्नवालिस + मराठा + निजाम	टीपू की हार - श्रीरंगपट्टनम संधि 1792 (अपमानजनक)	1. टीपू फ्रांसीसी संबंध 2. टीपू का त्रावणकोर पर हमला 3. मंगलौर संधि का उल्लंघन	कार्नवालिस - हमने अपने मित्रों को शक्तिशाली बनाए बिना अपने शत्रु को पंगु बना दिया
चतुर्थ	1799	टीपू	लॉर्ड वेलेजली	टीपू की हार और मृत्यु दक्षिण में अंग्रेज प्रभुत्त्व	➤ सहायक संधि नहीं ➤ सेदानीर युद्ध ➤ मालवेली युद्ध ➤ श्रीरंगपट्टनम युद्ध	1. वेलेस्ली को " मार्किव्स "की उपाधि मिली 2. वेलेस्ली - "अब पूरब का राज्य हमारे कदमों में है"

पंजाब

- खड़क सिंह
- नौ निहाल सिंह
- शेर सिंह
- दलीप सिंह

महाराजा दिलीप सिंह (1843-1849)

1. **अल्प वयस्क शासक (5 Year) :-** संरक्षिका (महारानी जिन्द कौर) :- किला मुबारक
2. प्रथम और द्वितीय युद्ध : चिलयावाला का युद्ध (1849) :- लॉर्ड डलहौजी
3. 1849:- शासन करने हेतु डलहौजी ने तीन लोगों की परिषद
   - अध्यक्ष → सर हेनरी लॉरेंस
4. दिलीप सिंह → 50,000 पोंड की वार्षिक पेंशन
   - ईसाई धर्म अपनाया
   - कोहिनूर हीरा अंग्रेजों को
   - फ्रांस में मृत्यु और इंग्लैंड में अंतिम संस्कार

महारानी जिन्द कौर (रानी जिन्दा)

1. 1843 से 1846 तक सिख साम्राज्य की संरक्षिका
2. महाराजा रणजीत की पत्नी
3. अंग्रेज उनको पंजाब का मेस्सालिना कहा करते थे
4. शेखूपुरा किले

वर्ष	घटना	विवरण
1845–46 : लॉर्ड हार्डिंग I	प्रथम आंग्ल-सिख युद्ध : खालसा सेना ने "पंचायत" प्रणाली अपनाई। 1845 में सेना ने सतलज पार किया	➤ मुदकी की लड़ाई (18 दिसंबर 1845) + फ़िरोज़शाह की लड़ाई (21-22 दिसंबर, 1845) + सबराओं की लड़ाई (10 फरवरी, 1846) ➤ सिखों की पराजय — लाहौर संधि (9 मार्च, 1846) ➤ अमृतसर की सन्धि (16 मार्च 1846): व्यास से सिन्ध तक का प्रदेश (कश्मीर) गुलाबसिंह को एक करोड़ रुपये में बेच दिया ➤ भैरोंवाल की संधि (22 दिसंबर 1846)
1848–49 : लॉर्ड डलहौजी	द्वितीय आंग्ल-सिख युद्ध	➤ अप्रैल 1848 : मुलतान के दीवान मूलराज ने ब्रिटिश अधिकारियों की हत्या कर दी ➤ 13 जनवरी 1849 : चिलयावाला युद्ध: ह्यूग गफ + शेर सिंह अट्टारीवाला ➤ गुजरात/तोपों का युद्ध (चार्ल्स नेपियर : 21 फरवरी 1849):- चेनाब के निकट गुजरात में।
29 मार्च 1849	राज्य का विलय	➤ लॉर्ड डलहौजी ने चार्ल्स नेपियर के नेतृत्व में, पंजाब का अंग्रेजी राज्य में विलय ➤ 3 सदस्य : अध्यक्ष : हेनरी लॉरेंस + जॉन लॉरेंस + चार्ल्स मैन्सेल

Join SelectionWay GS Channel CLICK HERE Join SelectionWay GS Channel CLICK HERE

मराठा साम्राज्य

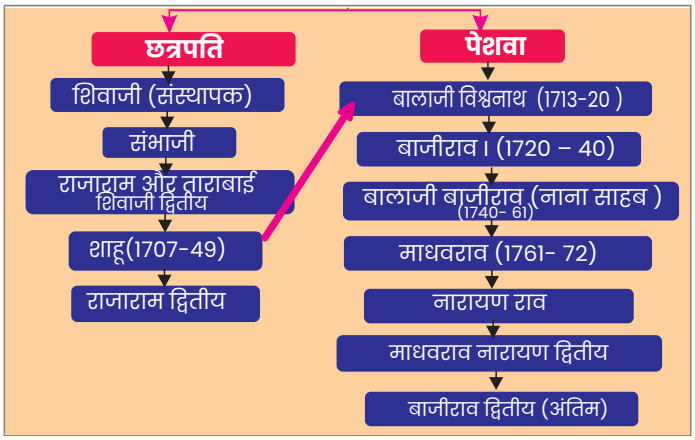

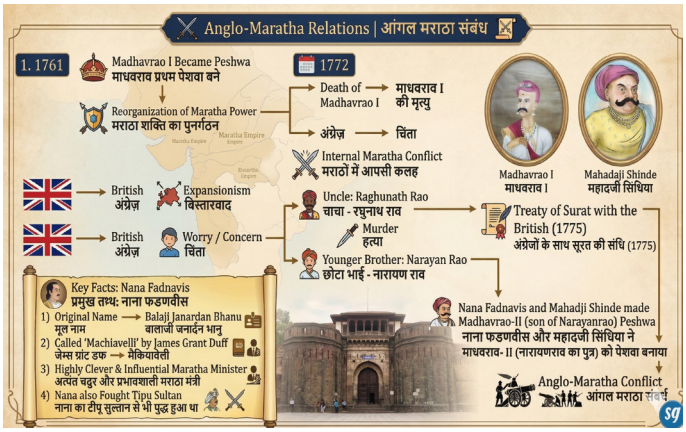

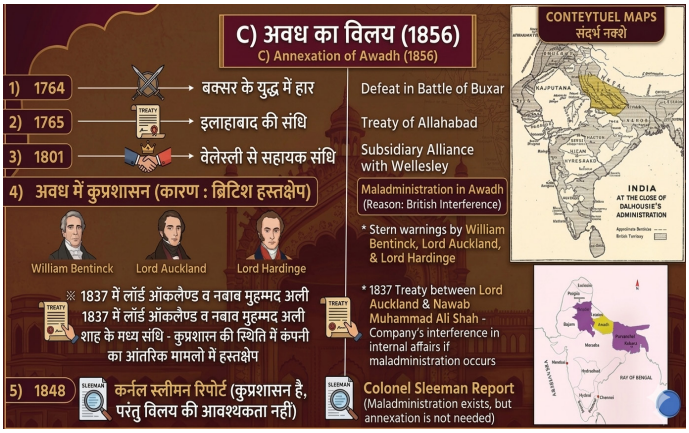

युद्ध	अंग्रेज	कारण	परिणाम
प्रथम आंग्ल मराठा युद्ध (1775-82) **पेशवा माधवराव – II**	वॉरेन हेस्टिंग्स	➤ पेशवा पद को लेकर मतभेद (माधवराव व रघुनाथ राव) ➤ अंग्रेजों का वाणिज्यिक व राजनीतिक लाभ	➤ 1775 - सूरत की संधि (रघुनाथ राव और अंग्रेज) ➤ वडगांव की लड़ाई (1779): मराठों ने ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी को हराया था। ➤ 1782 - सालबाई की संधि (हेस्टिंग्स+फडणवीस)
द्वितीय आंग्ल मराठा (1803-05) **पेशवा बाजीराव II**	लॉर्ड वैलेस्ली	➤ पेशवा बाजीराव II द्वारा अंग्रेजों के साथ बसीन की संधि (सहायक संधि) करना ➤ नेपोलियन का उदय + फ्रांसीसी का भय	➤ नवंबर 1803 - भोसले - देवगांव की संधि ➤ दिसंबर 1803 - सिंधिया - सुर्जीअर्जन गाँव की संधि ➤ 1805 - होलकर - राजपुर घाट की संधि
तृतीय आंग्ल मराठा युद्ध (1817-19) **पेशवा बाजीराव द्वितीय**	लॉर्ड हेस्टिंग्स तथा मेल्कम	➤ लॉर्ड हेस्टिंग्स के द्वारा पिंडारियों का दमन ➤ खड़की / किरकी का युद्ध — 1817 ➤ कोरेगाँव का युद्ध — 1818 ➤ दौलतराव सिंधिया : ग्वालियर संधि (1817) ➤ होल्कर – मंदसौर की संधि (1818)	➤ भोंसले (नागपुर) — सीतावर्डी का युद्ध, 1817 → नागपुर अंग्रेजों के अधीन। ➤ कीर्की (1817): पेशवा बाजीराव II पराजित → पुणे अंग्रेजों के अधीन ➤ महिदपुर (1817): होल्कर पराजित → मंदसौर की संधि → मालवा अंग्रेजों के अधीन।

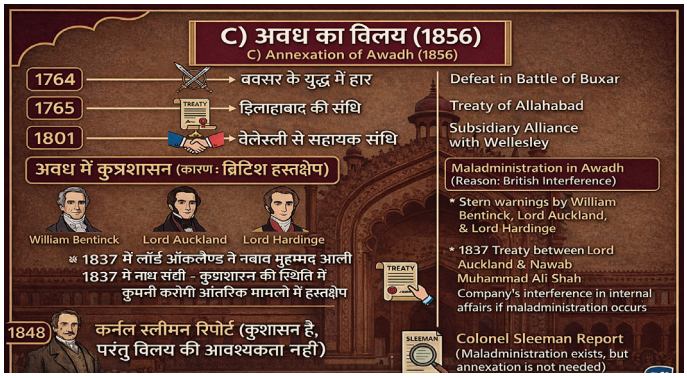

6. 1854 → जेम्स आउटरम रिपोर्ट

- कुप्रशासन + विलय
- दलहौजी द्वारा स्वीकृत (13 फरवरी 1856)
- नवाब वाजिद अली शाह (कलकत्ता भेजा)
- राजधानी: लखनऊ

7. परिणाम व प्रभाव:

- सैन्य असंतोष तथा 1857 की क्रांति
- जनता में असंतोष
- वास्तविक विश्वास की महान अवहेलना, महान डकैती (चरम सीमा पर डकैती) व निंदनीय कार्य।
- जॉन शेफर्ड - "यह विलय भारतीयों की स्वतंत्रताओं को बढ़ावा देने में उतना ही सफल होगा जितना उनके अधिकारों और हितों की रक्षा करने में।"

Download SelectionWay App